प्राथमिक अंग्रेज़ी

अंग्रेज़ी के वर्ण और ध्वनियाँ

भारत में विद्यालय आधारित समर्थन के माध्यम से शिक्षक शिक्षा

www.TESS-India.edu.in

http://creativecommons.org/licenses/

The Open University

UKaid from the British people

संदेश

शिक्षकों को बाल केंन्द्रित कक्षा अभ्यास की ओर उन्मुख करने तथा शिक्षक प्रशिक्षण की गुणवत्ता को बेहतर बनाने के उद्देश्यों को सम्मुख रखते हुए TESS-India राष्ट्रीय स्तर पर कार्यरत है। इस दिशा में TESS-India द्वारा मुक्त शैक्षिक संसाधन (Open Educational Resources) का विकास किया गया है । ये संसाधन शिक्षकों तथा शिक्षक–प्रशिक्षकों के वृत्ति विकास (Professional development) में लाभकारी एवं उपयोगी सिद्ध होंगे। राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद, बिहार के नेतृत्व में इन संसाधनों का स्थानीयकृत किया गया है, जिसके अन्तर्गत इनके उद्देश्य के मूल को बरकरार रखते हुए इनमें स्थानीय, भाषा, बोली, प्रथाओं, संस्कृतियों तथा नियमों को सम्मिलित किया गया है। इनका उपयोग शिक्षण कार्य में सहजता एवं सुगमता पूर्वक किया जा सकता है ।

राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद, बिहार के मार्गदर्शन में TESS-India द्वारा स्थानीय भाषा में तैयार मुक्त शैक्षिक संसाधन (Open Educational Resources) नेट पर आप सभी के लिए सुलभ उपलब्ध है ।

शुभकामनाओं सहित ।

(डॉ0 मुरली मनोहर सिंह)
निदेशक
एस0सी0ई0आर0टी0, बिहार

समीक्षा एवं दिशाबोध
डॉ. मुरली मनोहर सिंह, निदेशक राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार
डॉ. सैयद अब्दुल मोईन, विभागाध्यक्ष, अध्यापक शिक्षा विभाग, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार
डॉ. क़ासिम खुर्शीद, विभागाध्यक्ष, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्
डॉ. इम्तियाज़ आलम, विभागाध्यक्ष, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार
डॉ. स्नेहाशीष दास राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार
डॉ. अर्चना, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार
डॉ. रीता राय, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार
श्री तेज नारायण प्रसाद, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार

स्थानीयकरण
भाषा और शिक्षा
डॉ. ज्ञानदेव मणि त्रिपाठी, प्राचार्य, मैत्रेय कॉलेज ऑफ एडुकेशन एण्ड मैनेजमेंट, हाजीपुर, वैशाली
श्री सुमन सिंह, प्रखंड साधनसेवी, भगवानपुर हाट, सिवान
श्री कात्यायान कुमार त्रिपाठी, प्राथमिक विद्यालय चैलीटाल, पटना
श्री कृत प्रसाद, प्रखंड साधनसेवी, हिलसा, नालंदा
प्राथमिक अंग्रेज़ी
श्री अरशद रज़ा, सहायक शिक्षक, प्राथमिक विद्यालय, पचासा रहुई, नालंदा
श्री संतोष सुमन, सहायक शिक्षक, बालिका उच्च विद्यालय, महुआबाग
श्री शशि भूषण पाण्डेय, सहायक शिक्षक, उत्क्रमित मध्य विद्यालय, मुकुन्दपुर, नालंदा
श्रीमती रचना त्रिवेदी, शिक्षिका, नोट्रेडेम अकादमी, पटना
माध्यमिक अंग्रेज़ी
श्री मणिशंकर, प्रधानाध्यापक, तारामणी भगवानसाव उच्च माध्यमिक विद्यालय, कोइलवर, भोजपुर
डॉ. ब्रजेश कुमार, शिक्षक, पी. एन. एंग्लो संस्कृत माध्यमिक विद्यालय, नया टोला, पटना
प्राथमिक गणित
श्री कृष्ण कान्त ठाकुर
श्री दिलीप कुमार, संकुल संसाधन केन्द्र समन्वयक, बुलनी हैदरपुर, नालंदा
श्री गोविन्द प्रसाद, प्रखंड साधनसेवी, चनपटिया, पश्चिमी चम्पारण
माध्यमिक गणित
डॉ. राकेश कुमार, भागलपुर डायट
श्री रिज़वान रिज़वी, उत्क्रमित मध्य विद्यालय, सिलौटा चाँद, कैमूर
श्री इन्द्रभूषण कुमार, शिक्षक, सहयोगी माध्यमिक विद्यालय, हाजीपुर, वैशाली
प्राथमिक विज्ञान
श्री मनोज त्रिपाठी, प्रखंड साधनसेवी, बरहारा, भोजपुर
श्री शशिकान्त शर्मा, प्रखंड साधनसेवी, आरा, भोजपुर
श्री रणबीर सिंह, संकुल संसाधन केन्द्र समन्वयक, आदर्श आवासीय मध्य विद्यालय शिक्षक संघ, सहरसा
माध्यमिक विज्ञान
श्री जी.वी.एस.आर प्रसाद
श्री मुकुल कुमार, शिक्षक, सहायक शिक्षक, गोरखनाथ सूर्यदेव माध्यमिक विद्यालय, राजापाकर वैशाली

TESS-India (Teacher Education Through School Based Support) का लक्ष्य है भारत में मुक्त शैक्षिक संसाधनों के द्वारा प्राथमिक और माध्यमिक स्तरों पर शिक्षकों के कक्षा अभ्यासों को बेहतर करना। ये संसाधन शिक्षकों के छात्र–केन्द्रित, भागीदारी दृष्टिकोण को विकसित करने में सहायता करेंगे।

TESS-India के मुक्त शैक्षिक संसाधन (Open Education Resources – OERs) शिक्षकों को स्कूल की पाठ्यपुस्तक के लिए सहायक पुस्तिका प्रदान करते हैं। ये संसाधन शिक्षकों के लिए गतिविधियाँ प्रदान करते हैं जो वे कक्षा में अपने छात्रों के साथ कर सकते हैं। साथ ही इनमें केस स्टडी भी हैं जो ये दर्शाते हैं कि किस प्रकार दूसरे शिक्षकों ने उस विषय को सिखाया है। संबंधित संसाधन शिक्षकों को पाठ योजना बनाने में और विषय पर ज्ञान वर्धन करने में उनकी सहायता करते हैं।

TESS-India के मुक्त शैक्षिक संसाधन भारतीय पाठ्यक्रम और संदर्भों के अनुकूल हैं। ये *भारतीय तथा अतंर्राष्ट्रीय लेखकों के सहयोग से तैयार* किये गये हैं *और ये ऑनलाइन तथा प्रिंट उपयोग के लिए उपलब्ध है (http://www.tess-india.edu.in)।* मुक्त शैक्षिक संसाधन अनेकों संस्करणों में उपलब्ध हैं जो प्रत्येक राज्य के लिए उपयुक्त है जहाँ TESS India कार्यरत है। उपयोगकर्ता इन संसाधनों को अनुकूल और स्थानीयकृत करने के लिए स्वतंत्र हैं ताकि ये स्थानीय आवश्यकताओं और संदर्भों को पूरा कर सकें।

TESS-India मुक्त विश्वविद्यालय, ब्रिटेन के नेतृत्व में तथा ब्रिटेन की सरकार द्वारा वित्त-पोषित है।

वीडियो संसाधन

इस इकाई की कुछ गतिविधियों के साथ निम्न प्रतीक का उपयोग किया गया है: *. इससे संकेत मिलता है कि निर्दिष्ट अध्यापन संबंधी थीम के लिए TESS-India वीडियो संसाधनों को देखना आपके लिए उपयोगी होगा।*

TESS-India वीडियो संसाधन भारत में अनेक प्रकार की कक्षाओं के संदर्भ में मुख्य अध्यापन तकनीकों का वर्णन करते हैं। हमें आशा है कि वे आपको इसी प्रकार के अभ्यासों के साथ प्रयोग करने के लिए प्रेरित करेंगे। उनका उद्देश्य पाठ (टेक्स्ट) पर आधारित इकाइयों के माध्यम से काम करने के आपके अनुभव का पूरक होना और उसे बढ़ाना है।

TESS-India वीडियो संसाधनों को ऑनलाइन देखा या TESS-India की वेबसाइट, http://www.tess-india.edu.in/ से डाउनलोड किया जा सकता है। वैकल्पिक रूप से, आप ये वीडियो सीडी या मेमोरी कार्ड के माध्यम से भी देख सकते हैं।

संस्करण 2.0 EE03v2
Bihar

तृतीय पक्षों की सामग्रियों और अन्यथा कथित को छोड़कर, यह सामग्री क्रिएटिव कॉमन्स एट्रिब्यूशन-शेयरएलाइक लाइसेंस के अंतर्गत उपलब्ध कराई गई है:
http://creativecommons.org/licenses/by-sa/3.0/

TESS-India is led by The Open University UK and funded by UK aid from the UK government

यह इकाई किस बारे में है

यह इकाई अंग्रेज़ी ध्वनियों, वर्णों और शब्दों को सीखने व उनका अभ्यास करने के लिए कक्षा की गतिविधियों के बारे में है।

हम जानते हैं कि अंग्रेज़ी पढ़ना सीखने का एक महत्वपूर्ण चरण यह जानना है कि अंग्रेज़ी वर्णमाला के वर्णों की ध्वनियाँ कौन–सी हैं। बेशक पढ़ना सीखने में सिर्फ इतना ही शामिल नहीं है – पढ़ना सिखाते समय अर्थ पर भी ध्यान केंद्रित किया जाना चाहिए। इस इकाई की गतिविधियाँ इस तरह तैयार की गई हैं, ताकि जब आप और आपके छात्र अंग्रेज़ी ध्वनियों और वर्णों का अभ्यास करें, तो अर्थ पर ध्यान केंद्रित रखने में मदद मिले।

आप इस इकाई में सीख सकते हैं

- अपने स्तर पर अंग्रेज़ी वर्णों और ध्वनियों का अभ्यास करना।
- छात्र–छात्राओं के साथ कक्षा में अंग्रेज़ी वर्णों और ध्वनियों का अभ्यास करना।
- अंग्रज़ी ध्वनि, वर्ण और शब्द गतिविधियों की योजना बनाना।

1 अंग्रेज़ी उच्चारण

पहली गतिविधि में, आप अपने स्तर पर एक अंग्रेज़ी उच्चारण मार्गदर्शिका के माध्यम से काम करेंगे।

गतिविधि 1: अंग्रेज़ी वर्ण और ध्वनियाँ

अंग्रेज़ी वर्णों के नाम उनके द्वारा शब्दों में बनाई जाने वाली धन्नियों से बहुत अलग हो सकते हैं।

इस अंग्रेज़ी वर्ण का नाम बोलें 'b'। इसका उच्चारण कुछ इस तरह का होगा 'bee'। इस वर्ण से शुरू होने वाले कुछ अंग्रेज़ी शब्द कौन–से हैं? आप शायद 'bag', 'bus' या 'bell' के बारे में सोच सकते हैं। इन शब्दों को ऊंची आवाज़ में बोलें।

जब आप इन शब्दों को ऊँची आवाज़ में बोलते हैं, तब आप सुनेंगे कि इस वर्ण की ध्वनि कुछ इस तरह की है जैसे 'bh'। केवल 'b' की ध्वनि बोलने की कोशिश करें, और 'bag' व 'boy' जैसे शब्दों में ध्वनि को सुनें। वर्ण के नाम और वर्ण की ध्वनि के बीच अंतर को सुनें।

यह दोबारा करके देखें और अंग्रेज़ी वर्ण 'r' का नाम बोलें। 'r' से शुरू होने वाले कुछ शब्द कौन–से हैं? इन शब्दों को ऊंची आवाज़ में बोलें।

इन शब्दों में 'r' द्वारा उत्पन्न होने वाली ध्वनि क्या है? सुनें कि वर्ण का नाम 'r' कुछ इस तरह सुनाई देता है 'are', लेकिन इसकी ध्वनि कुछ इस तरह की है 'rrr'।

अंग्रेज़ी के स्वरों के मामले में ('a', 'e', 'i', 'o', 'u'), इन्हें जिस शब्द में उपयोग किया जाता है, उसके अनुसार ध्वनि बदल जाती है।

संसाधन 1 पर जाएँ और वर्णों और ध्वनियों का स्वतः अभ्यास करें। आप अपने आत्मविश्वास और उच्चारण का मूल्यांकन कैसे करेंगे?

अंग्रेज़ी में अपना उच्चारण सुधारने का एक अच्छा तरीका जितना ज्यादा संभव हो, उतनी अंग्रेज़ी ध्वनियों को सुनना है। रेडियो पर अंग्रेज़ी सुनने की कोशिश करें। इसमें जो कुछ भी बोला या गाया जा रहा हो, भले ही आप उसे पूरी तरह नहीं समझ सकते हों, लेकिन फिर भी इसे सुनें और अंग्रेज़ी की ध्वनियों को बोलने की कोशिश करें।

आगे बताए गए दो केस स्टडी में, आप देख सकते हैं कि शिक्षकों ने छात्र–छात्राओं को किस तरह अंग्रेज़ी वर्णों और ध्वनियों का परिचय दिया।

केस स्टडी 1: परवीन 'b' की ध्वनि सिखाती हैं

परवीन कक्षा एक की शिक्षिका हैं।

मेरे पास एक बैग (bag), गुब्बारा (baloon) और एक ब्रश (brush), तथा कुछ ऐसी वस्तुओं के चित्र थे, जिनके नाम 'b' से शुरू होते हैं, जैसे बोट (boat), बाइसिकल (bicycle) और भैंस (buffalo)। मेरे पास एक कपड़े का टुकड़ा भी था, जिसका रंग नीला (blue) था।

मैंने यह कहते हुए पाठ की शुरुआत की कि, 'आज हम वर्ण "b" और "b" की ध्वनि पर ध्यान देंगे। आइये हम सब अंग्रेज़ी के कुछ ऐसे शब्द सीखें, जिनकी ध्वनि "b" से शुरू होती है।'

कभी–कभी कुछ छात्र–छात्राओं ने ऐसे हिन्दी शब्द बताए, जो 'b' ध्वनि के साथ शुरू होते हैं। जब उन्होंने ऐसा किया, तो मैंने इस बात की पुष्टि की कि हमारी भाषा की यह ध्वनि अंग्रेज़ी 'b' के ही समान है। मैंने कक्षा के उन छात्र–छात्राओं की तरफ भी इशारा किया, जिनके नाम 'b' ध्वनि के साथ शुरू होते हैं, जैसे बलदेव और बबीता।

जब हमारे पास 'b' से शुरू होने वाले शब्दों की सूची बन गई, तो मैंने इस सूची की सहायता से एक बहुत सरल कहानी बनाई: Babita went to the market to buy a cricket bag, a new bag for her school books, a brush for her hair and a basket to keep the brush in. But in the end, she saw a blue balloon and she bought that instead.

इसके बाद मैंने छात्र–छात्राओं से कहा कि वे 'b' से शुरू होने वाले शब्दों के चित्र बनाएँ और इन चित्रों को अपनी स्वयं की कहानी सुनाएँ।

ध्वनि से जुड़े षब्द और चित्र के लिए SCERT, बिहार द्वारा विकसित Blossom part -1 के Lesson - 11 से 20 तक देखें।

ज़रा सोचिए

- परवीन ने इस पाठ के लिए किस प्रकार तैयारी की?
- क्या आपको लगता है कि छात्र–छात्रा वर्ण के नाम और वर्ण के बीच की ध्वनि के अंतर के कारण भ्रमित हो जाएँगे? परवीन इस भ्रम को कैसे रोकेंगी?
- परवीन अपने छात्र–छात्राओं की समझ का मूल्यांकन कैसे करेंगी?

2 कक्षा में वर्ण, ध्वनियाँ और शब्द

केस स्टडी 2: निशा पाठ्यपुस्तक और फ्लैश कार्डों का उपयोग करती हैं

निशा दूसरी कक्षा को पढ़ाती हैं।

मैंने अंग्रेज़ी वर्ण कार्डों का एक सेट बनाया (चित्र 1)। इन कार्डों में अंग्रेज़ी वर्णमाला के सभी वर्ण हैं और साथ ही कुछ वर्णों के संयोजन भी हैं, जैसे 'ch', 'sh', 'ph' और 'th'। इन कार्डों को बनाने में बहुत ज्यादा समय नहीं लगा और वे हमेशा उपयोगी होते हैं।

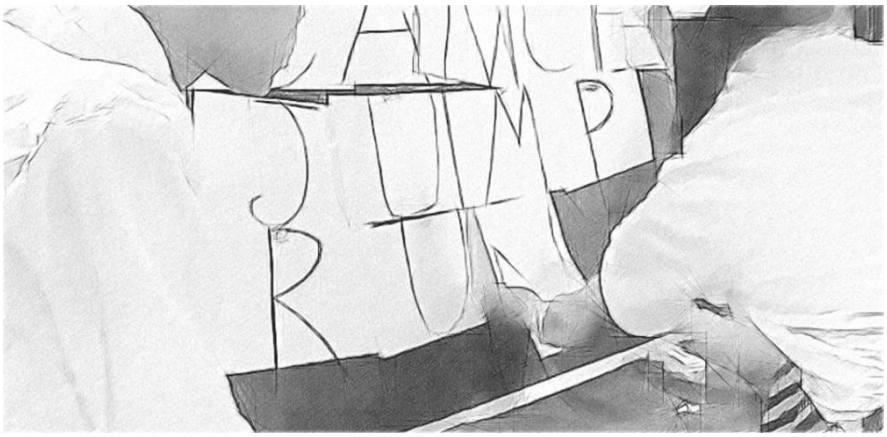

चित्र 1: वर्ण कार्डों का उपयोग करना।

मैं पाठ्यपुस्तक का पाठ लेती हूँ और मैं इकाई की मुख्य शब्दावली के लिए फ्लैश कार्डों का एक और सेट बनाती हूँ। मैं कार्डों के एक तरफ शब्द लिखती हूँ और दूसरी तरफ शब्दों के चित्र बनाती हूँ – या कुछ चित्र पत्रिकाओं में ढूँढती हूँ – (उदाहरण के लिए 'apple', 'mango', 'banana', 'chapati', 'fish')।

कोई पाठ सिखाने से पहले मैं खुद अंग्रेज़ी में उन शब्दों को बोलने का अभ्यास करती हूँ, ताकि मैं उन्हें बोलते समय आत्मविश्वासी महसूस करूँ। कभी–कभी मैं अपने उच्चारण अपनी एक मित्र को जाँचने को कहती हूँ, जिसकी अंग्रेज़ी मुझसे बेहतर है।

कक्षा में, मैं चित्र कार्ड उठाती हूँ और प्रत्येक चित्र के शब्द का उच्चारण करती हूँ। मैं छात्र–छात्राओं से कहती हूँ, 'मेरे पीछे दोहराएँ ... mango'। मैं ऐसा कई बार दोहराती हूँ। इसके बाद मैं फिर से गतिविधि दोहराती हूँ, इस बार मैं शब्द का उच्चारण करते समय इसकी पहली ध्वनि पर ज़ोर देती हूँ; उदाहरण के लिए 'm – mango'। उस शब्द का उपयोग करके मैं छात्र–छात्राओं से छोटे प्रश्न पूछने की कोशिश करती हूँ, ताकि वे एक वाक्य में उन्हें दोहराए जाने पर सुन सकें। उदाहरण के लिए, मैं पूछती हूँ, 'Do you like mango?' – और वे उत्तर में yes या no बोल सकते हैं।

इसके बाद मैं छात्र–छात्राओं को वर्णों के कार्ड दिखाती हूँ और उनसे कहती हूँ कि जब मैं कार्ड पकड़े रखूँ, तो वे 'a', 'm', 'b', 'ch' और 'f' जैसी ध्वनियों का उच्चारण करें। अंत में, मैं चित्र कार्डों में से एक को उठाती हूँ और छात्र–छात्राओं से वह ध्वनि बताने को कहती हूँ, जिससे यह शुरू होता है। इसलिए जब मैं कोई कार्ड उठाती हूँ, जिस पर आम बना हो, तो वे 'm' की ध्वनि या वर्ण 'm' का नाम ले सकते हैं – ये दोनों ही सही हैं।

पूरे सप्ताह के दौरान, मैं छात्र–छात्राओं के छोटे समूहों के बीच फ्लैश कार्डों के दो सेटों की अदलाबदली करते हुए उनसे एक खेल खलने को कहती हूँ – जिसमें चित्र और शब्द कार्डों का मिलान वर्ण कार्डों के साथ करना होता है। मैं उन बच्चों के समूह के साथ काम करती हूँ, जिन्हें वर्ण/ध्वनि संबंध बनाने में कठिनाई आ रही हो। [संसाधन 2, 'समूह कार्य का उपयोग करना' को देखकर, आप इस बारे में अधिक जानकारी पा सकते हैं कि छात्र–छात्राओं को समूहों में किस प्रकार व्यवस्थित और नियंत्रित किया जाए।]

इन गतिविधियों में, मैं छात्र–छात्राओं को वर्ण पढ़ने और वर्णों की ध्वनि का उच्चारण करने, तथा उनसे निकलने वाली ध्वनियों के बारे में सोचने के लिए प्रोत्साहित करती हूँ। मैं उनसे पूरे शब्द भी पढ़ने और बोलने को कहती हूँ। मुझे लगता है कि यह महत्वपूर्ण है कि वे शब्दों के अर्थ के बारे में भी सोचें और छोटे–छोटे वाक्यों में उन शब्दों का उपयोग भी करें।

ज़रा सोचिए

- निशा कौन–से संसाधन तैयार करती हैं? आपके लिए इस तरह के संसाधन तैयार करना कितना सरल या कठिन होगा?
- क्या आपको लगता है कि वर्णों, ध्वनियों और शब्दों को जोड़ने की निशा की विधि प्रभावी है?
- यदि कोई छात्र वर्णमाला बोल सकता हो, लेकिन लिखे हुए वर्णों को न पहचान सकता हो, तो इसका अर्थ क्या होता है?
- यदि कोई छात्र शब्दों को फ्लैश कार्डों पर पढ़ सकता हो, लेकिन उन्हीं शब्दों को पाठ्यपुस्तक में न पहचान सकता हो, तो इसका अर्थ क्या होता है?
- निशा की कक्षा की गतिविधियाँ रोट मेमोराइजेशन (रटना) को किस प्रकार हतोत्साहित करती हैं?

छात्र–छात्राओं को वर्ण और शब्द रट लेने और दोहराने को कहा जा सकता है, खासतौर से जब पाठ अनुमान लगाने योग्य और दोहरावपूर्ण हों। इसका आवश्यक रूप से यह अर्थ नहीं है कि छात्र जो कुछ 'पढ़' रहे हैं, वे उसे समझते भी हैं। निशा की कक्षा की गतिविधियाँ अलग–अलग और अंतःक्रिया वाली हैं। वह छात्र–छात्राओं को इनमें भाग लेने, और अनुमान लगाने के लिए प्रोत्साहित करती है, और वह उनकी गलतियों को ज़रुरत से ज्यादा नहीं सुधारती। निशा वर्णों और ध्वनियों को अलग–अलग नहीं सिखाती – वह उन शब्दों में वर्ण और ध्वनियाँ पहचानने में छात्र–छात्राओं की मदद करती है, जो उन्हें अर्थपूर्ण लगते हैं (जैसे 'mango' और 'chapati')।

वीडियोः प्रगति और कार्यप्रदर्शन का आकलन करना

गतिविधि 2: वर्ण, ध्वनियाँ और शब्द

अब संसाधन 3 पर जाएँ। इन खेलों और गतिविधियों को पढ़ें। अपनी कक्षा में प्रयोग करके देखने के लिए एक गतिविधि चुनें, या तो संसाधन 3 से या ऊपर केस स्टडी 1 और 2 से।

यदि संभव हो, तो एक सहकर्मी के साथ अपने चयन के बारे में चर्चा करें। क्या आप उस खेल या गतिविधि में किसी तरह का कोई अनुकूलन करेंगे, ताकि वह आपकी कक्षा की आवश्यकताओं के अनुरूप हो जाए?

गतिविधि को पाठ्यपुस्तक के उस पाठ की शब्दावली से जोड़ें, जो आप पढ़ा रहे हैं। अपने छात्र–छात्राओं के साथ यह गतिविधि करने से पहले इसे एक बार अपने सहकर्मी के साथ करके देखें।

इन गतिविधियों का मुख्य लक्ष्य वर्ण और ध्वनियाँ सिखाना है, लेकिन यह सुनिश्चित करना भी महत्वपूर्ण है कि छात्र इन ध्वनियों को अंग्रेज़ी शब्दों के साथ जोड़ सकें और वे इन शब्दों का अर्थ समझ लें। आप यह कैसे सुनिश्चित करेंगे?

आपने जो गतिविधि चुनी है, वह छात्र–छात्राओं के साथ करें। इसके बाद इस बारे में सोचें कि क्या अच्छा हुआ और किसे आप अगली बार अलग तरीके से कर सकते हैं।

चित्र 2: एक वर्ण कार्ड गतिविधि।

समय के साथ अंग्रेज़ी वर्ण और ध्वनियाँ सीखने में छात्र–छात्राओं की प्रगति पर ध्यान रखना एक अच्छा विचार है, और साथ ही यह भी देखना कि वे अपने वर्ण/ध्वनि ज्ञान को किस तरह अपने पठन और लेखन पर लागू करते हैं। एक सरल टिक सूची या सारणी के द्वारा आपको प्रत्येक छात्र की प्रगति पर निगाह रखने में मदद मिल सकती है, ताकि आप उनकी उपलब्धि के रिकॉर्ड तैयार कर सकें:

- वर्णमाला बोल सकते हैं।
- वर्णों को पहचान सकते हैं।
- वर्णमाला के क्रम में न रखे गए वर्णों को भी पहचान सकते हैं।
- वर्णों के नामों को ध्वनियों के साथ जोड़ सकते हैं।
- वर्णों के पैटर्न को ध्वनियों के साथ जोड़ सकते हैं (उदा.'ch', 'sh', 'th')।
- वर्ण/ध्वनि ज्ञान का उपयोग सरल शब्दों को पढ़ने में कर सकते हैं।
- वर्ण/ध्वनि ज्ञान का उपयोग सरल शब्दों को पढ़ने में कर सकते हैं।
- फ्लैश कार्ड पर शब्दों को पढ़ सकते हैं।
- एक वाक्य में शब्दों को पढ़ सकते हैं।

	प्रगति के आकलन के लिए SCERT, बिहार द्वारा विकसित छात्र रिपोर्ट कार्ड का भी उपयोग करें।

3 शब्द और वर्तनी

तुकांत शब्दों को सुनने और उनका उपयोग करने से छात्र–छात्राओं को अंग्रेज़ी में वर्ण और ध्वनि के पैटर्न की पहचान करने में मदद मिलती है। पाठ्यपुस्तकों में ऐसे पाठ शामिल हो सकते हैं, जिनमें छात्र–छात्राओं से एक लंबे पाठ्य के भीतर चयनित छोटे शब्दों को ढूँढने को कहा जाए। आप इन पाठों को अनुकूलित कर सकते हैं, ताकि छात्र–छात्राओं को तुकांत शब्दों की पहचान करने में मदद मिले।

गतिविधि 3 में तीसरी कक्षा की पाठ्यपुस्तक के स्तर का एक अंश का उपयोग किया गया है। अंश की शुरुआत में आने वाले शब्द तुकांत शब्द हैं। प्रत्येक जोड़े का एक शब्द कहानी में आता है, और छात्र–छात्राओं को इन शब्दों को ढूँढना है।

गतिविधि 3: शब्द कार्य के लिए पाठ्यपुस्तक का उपयोग करना

इस गतिविधि से छात्र–छात्राओं को सार्थक सन्दर्भ में शब्दों का उपयोग करने में मदद मिलती है। स्वयं करके देखें। इन शब्दों को पढ़ें और ऊंची आवाज़ में बोलें। इसके बाद उन शब्दों पर गोला लगाएँ, जिन्हें आप कहानी में ढूँढ लेते हैं।

few	bed	See	back
new	red	Tree	sack

Ravi is crying. 'I CAN'T SEE MY NEW BAG!' he says.

'Is your bag new?' asks the teacher.

'Yes, it is,' says Ravi.

'Is it red and yellow?'

'Yes, it is.'

'I can see it,' says the teacher.

'Where?'

'It's on your back!'

अब अपनी पाठ्यपुस्तक से एक छोटा अंश चुनें और उपरोक्त गतिविधि जैसी ही एक गतिविधि तैयार करें, जिसमें उस पाठ्य–अंश के साथ उपयोग किए जाने वाले तुकांत शब्दों का एक सेट बनाएँ।

उस अंश और तुकांत शब्दों का उपयोग करें, जो आपने छात्र–छात्राओं के साथ मिलकर पाठ्यपुस्तक से तैयार किए हैं। इस गतिविधि के कार्य का तरीका छात्र–छात्राओं को प्रदर्शित करके बताने के लिए पहला शब्द स्वयं करें।

आपने जो अंश चुना है, यदि वह कोई बातचीत है, तो उस बातचीत को ऊँची आवाज़ में सुनें, जिससे यह सुनिश्चित करने में मदद मिले कि छात्र इसे समझ गए हैं। आप अलग–अलग आवाज़ों का उपयोग करके दो अलग–अलग भागों का अभिनय कर सकते हैं या किसी छात्र को आपके साथ अभिनय करने को कह सकते हैं। नकल और हावभाव, तथा कक्षा की किसी भी वस्तु का उपयोग करें, ताकि यह सुनिश्चित हो जाए कि छात्र–छात्रा इसका अर्थ समझते हैं।

जब छात्र–छात्रा इस गतिविधि में काम कर रहे हैं, तब आप अंग्रेज़ी वर्णों के पैटर्न पहचानने और पढ़ने के उनके कौशल का आकलन कर सकते हैं। उन्हें पाठ्य अंश ऊँची आवाज़ में पढ़कर सुनाने और बोले जाने वाले तुकांत शब्दों को सुनने के लिए प्रोत्साहित करें।

अगली गतिविधि में आप वर्णों, ध्वनियों और स्पेलिंग के बीच संबंधों को देखेंगे।

गतिविधि 4: स्पेलिंग बनाने के लिए वर्णों और ध्वनियों का उपयोग करना

यह आपके लिए एक गतिविधि है।

आठ–वर्ष की एक बच्ची द्वारा लिखी गई इस अंग्रेज़ी कहानी का शुरुआती भाग पढ़ें:

Ther ouns was two flawrs. Oun was pink and the othr was prpul. Thae did not like ech athr becuse thae whr difrint culrs. Oun day thae had a fite.

क्या आप कहानी को पढ़कर इसे समझ सके? आप इसका आकलन कैसे करेंगे?

यह छात्रा अपनी कहानी लिखने के लिए अंग्रेज़ी वर्णों और ध्वनियों के अपने पूरे ज्ञान का उपयोग कर रही है। वह इस बारे में अपनी समझ का पूरी तरह उपयोग कर रही है कि स्पेलिंग कैसे बनाई जाए। इस तरह बनाई गई ये स्पेलिंग पठन और लेखन के विकास का एक चरण हैं। यह महत्वपूर्ण है कि छात्र–छात्राओं द्वारा बनाई गई इन स्पेलिंग को साक्षरता की विकास प्रक्रिया के एक भाग के रूप में देखा जाए – वे त्रुटियाँ या गलतियाँ नहीं हैं।

जब आपके नन्हें छात्र अंग्रेज़ी में लिखना शुरू करते हैं, तो इस बात की संभावना है कि वे स्पेलिंग विकास के इन चरणों से गुज़रेंगे:

- शब्द या ध्वनि को दर्शाने के लिए एक ही वर्ण का उपयोग करना, उदाहरण के लिए, 'u' for 'you', या 'm' for 'am'.
- किसी शब्द को दर्शाने के लिए एक वर्ण या वर्णों के समूह का उपयोग करना; उदाहरण के लिए, 'come' के लिए 'kam', 'love' के लिए 'lv' और 'this is a cat' के लिए 'dis iz a kat'।

अब अपने कुछ छात्र–छात्राओं के अंग्रेज़ी लेखन पर नज़र डालें और देखें कि क्या आपको उनके द्वारा बनाई गई कोई अंग्रेज़ी स्पेलिंग मिलती हैं।

उनके द्वारा बनाई गई इन स्पेलिंग के बारे में आपकी प्रतिक्रिया क्या रही है? क्या आप उन्हें तुरंत सुधार देते हैं? आपके सुधारों पर आपके छात्र क्या प्रतिक्रिया देते हैं? क्या आप कभी छात्र–छात्राओं से कहते हैं कि वे आपको उनकी अंग्रेज़ी स्पेलिंग अपने घर की भाषा में समझाएँ?

यह महत्वपूर्ण है कि आप इन नई बनाई गई स्पेलिंग में ज़रुरत से ज्यादा सुधार न करें, क्योंकि सीखने के साथ–साथ छात्र भाषा के वर्णों और ध्वनियों के साथ प्रयोग कर रहे हैं। भाषा को सुनकर, पढ़कर और लिखकर छात्र–छात्रा स्पेलिंग के बारे में विचार हासिल करते हैं। समय के साथ–साथ संपर्क और अभ्यास बढ़ने पर, उनकी स्पेलिंग में भी सुधार बढ़ता जाएगा।

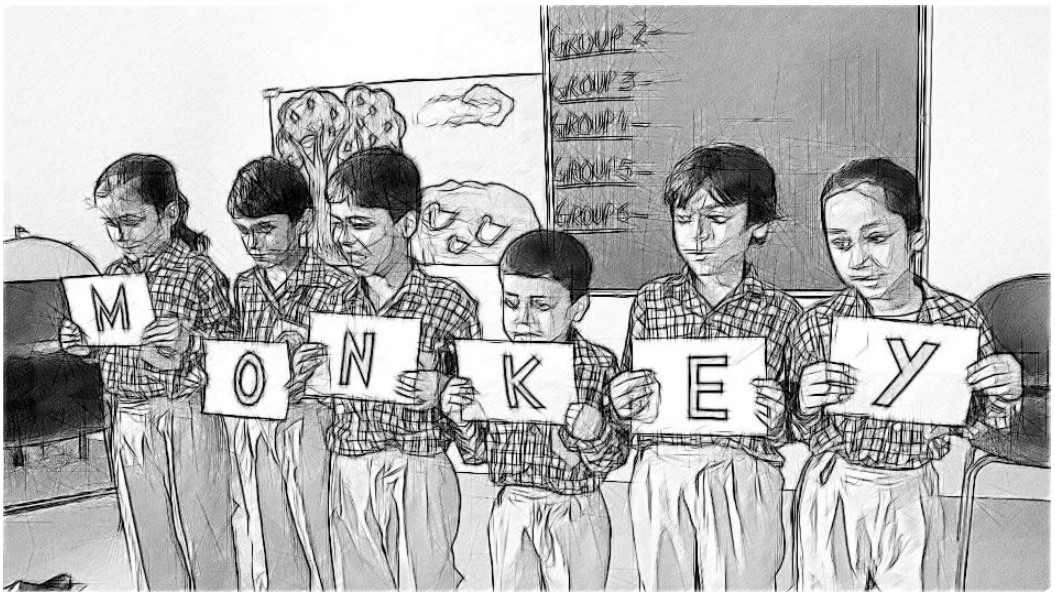

चित्र 3: संपर्क और अभ्यास के साथ, छात्र–छात्राओं की स्पेलिंग में भी सुधार बढ़ता जाएगा।

4 सारांश

इस इकाई में आपने देखा कि गतिविधियों के द्वारा आप खुद की और अपने छात्र–छात्राओं की अंग्रेज़ी वर्णों का ज्ञान किन तरीकों से बढ़ा सकते हैं। वर्णों और ध्वनियों की आपकी शिक्षा को पठन और लेखन में शामिल करना एक अच्छा अभ्यास है, ताकि छात्र उन्हें अलग–थलग करके न सीखें। यदि संभव हो, तो अपने स्वयं का उच्चारण सुधारने के लिए आप रेडियो में बोली या गाई जाने वाली अंग्रेज़ी सुनें। अपनी कक्षा में नियमित रूप से अंग्रेज़ी सुनने की गतिविधि के लिए रेडियो के उपयोग की संभावना पर विचार करें। क्या आप छात्र–छात्राओं को एक कंप्यूटर कीबोर्ड या मोबाइल फोन पर अंग्रेज़ी वर्ण दिखा सकते हैं?

प्रारंभिक अंग्रेज़ी हेतु इस विषय पर अन्य शिक्षक विकास इकाईयाँ हैं:

- *कक्षा की दिनचर्याएँ*
- *पाठ्यपुस्तक का रचनात्मक ढंग से उपयोग करना*
- *गीत, कविताएँ और शब्द खेल*
- *कथावाचन*
- *साझा पठन।*

संसाधन

संसाधन 1: उच्चारण मार्गदर्शिका

बेशक, अंग्रेज़ी आपकी पहली भाषा नहीं है और आप इसमें बिल्कुल सटीक उच्चारण होने की उम्मीद नहीं कर सकते। भले ही आप अंग्रेज़ी पढ़ या लिख सकते हैं, लेकिन हो सकता है कि आपने अंग्रेज़ी बहुत ज्यादा न सुनी हो और इसे बोलने में शर्माते हों। अंग्रेज़ी में राष्ट्रीय रेडियो और टेलीविजन कार्यक्रमों को सुनना अपने उच्चारण को बेहतर बनाने का एक तरीका है। दूसरा तरीका एक अच्छे शब्दकोष में उच्चारण मार्गदर्शिका का उपयोग करना है।

यदि आप चाहते हैं कि आपके छात्र इस तरह से अंग्रेज़ी बोलें ताकि उनकी बात को अच्छी तरह समझा जा सके, तो आपका अपना उच्चारण भी यथासंभव सर्वश्रेष्ठ होना चाहिए।

नीचे दी गई उच्चारण मार्गदर्शिका का उपयोग करके इस बात की जाँच करें कि आप अंग्रेज़ी में मुख्य स्वरों और व्यंजनों की ध्वनियों या इनके संयोजनों को कितनी अच्छी तरह जानते हैं। आप जिस ध्वनि के बारे में कम आश्वस्त हैं, उस पर टिक करें, और इन ध्वनियों वाले शब्दों को सुनने और बोलने के चरणों का पालन करें।

Single vowels

short a (mat, ant)

short e (bed, end)

short i (fish, it)

short o (shop, hot)

short u (bus, under)

long a (race, late)

long e (these, scene)

long i (time, like)

long o (home, bone)

long u (tune, use)

Pairs of vowels making a new sound

ai (train, paint)

ea (leaf, dream)

ee (sheep, been)

oa (boat, road)

oo (look, good)

ou (ground, out)

Vowel changed by a consonant

ar (car, park)

er (her, verse)

ir (bird, shirt)

or (short, or)

ur (ture, purple)

ow (town, shower/show, low)

ay (day, play)

Pairs of consonants making new sounds

th – unvoiced (three, thanks)

th – voiced (this, mother)

sh (she, short)

ch (which, chicken)

ph (phone, elephant)

gh (laugh, enough, high, although)

wh (what, why)

Others

all (all, fall)

qu (queen, quick)

y (sunny, happy)

ing (sing, talking)

संसाधन 2: समूहकार्य का उपयोग करना

समूहकार्य एक व्यवस्थित, सक्रिय, शिक्षण कार्यनीति है जो छात्र–छात्राओं के छोटे समूहों को एक आम लक्ष्य की प्राप्ति के लिए मिलकर काम करने के लिए प्रोत्साहित करती है। ये छोटे समूह संरचित गतिविधियों के माध्यम से अधिक सक्रिय और अधिक प्रभावी शिक्षण को प्रोत्साहित करते हैं।

समूहकार्य के लाभ

समूहकार्य छात्र–छात्राओं को सोचने, संवाद कायम करने, विचारों का आदान–प्रदान करने और निर्णय लेने के लिए प्रोत्साहित करके सीखने हेतु उन्हें प्रेरित करने का बहुत ही प्रभावी तरीका हो सकता है। आपके छात्र–छात्रा दूसरों को सिखा सकते हैं और उनसे सीख भी सकते हैं: यह शिक्षण का शक्तिशाली और सक्रिय स्वरूप है।

समूहकार्य में छात्र–छात्राओं का समूहों में बैठना ही काफी नहीं होता है; इसमें स्पष्ट उद्देश्य के साथ सीखने के साझा कार्य पर काम करना और उसमें योगदान करना शामिल होता है। आपको इस बात को लेकर स्पष्ट होना होगा कि आप पढ़ाई के लिए सामूहिक कार्य का उपयोग क्यों कर रहे हैं और जानना होगा कि यह भाषण देने, जोड़ी में कार्य या छात्र–छात्राओं के स्वयं से कार्य करने पर तरजीह देने योग्य क्यों है। इस तरह समूहकार्य को सुनियोजित और उद्देश्यपूर्ण होना आवश्यक है।

समूहकार्य का योजना बनाना

आप समूहकार्य का उपयोग कब और कैसे करेंगे यह इस बात पर निर्भर करेगा कि पाठ के अंत में आप कौन सा शिक्षण पूरा करना चाहते हैं। आप समूहकार्य को पाठ के आरंभ में, अंत में या बीच में शामिल कर सकते हैं, लेकिन आपको पर्याप्त समय का प्रावधान करना होगा। आपको उस कार्य के बारे में जो आप अपने छात्र–छात्राओं से पूरा करवाना चाहते हैं और समूहों को नियोजित करने के सर्वोत्तम ढंग के बारे में सोचना होगा।

एक शिक्षक के रूप में, आप समूहकार्य की सफलता सुनिश्चित कर सकते हैं यदि आप निम्न की योजना अग्रिम रूप से बनाते हैं:

- सामूहिक गतिविधि के लक्ष्य और अपेक्षित परिणाम
- किसी भी फीडबैक या सारांश कार्य सहित, गतिविधि को आवंटित समय
- समूहों को कैसे विभाजित करना है (कितने समूह, प्रत्येक समूह में कितने छात्र, समूहों के लिए मापदंड)
- समूहों को कैसे नियोजित करना है (समूह के विभिन्न सदस्यों की भूमिका, आवश्यक समय, सामग्रियाँ, रिकार्ड करना और रिपोर्ट करना)
- कोई भी आकलन कैसे किया और रिकार्ड किया जाएगा (व्यक्तिगत आकलनों को सामूहिक आकलनों से अलग पहचानने का ध्यान रखें)
- समूहों की गतिविधियों पर आप कैसे निगरानी रखेंगे।

समूहकार्य के काम

वह काम जो आप अपने छात्र–छात्राओं को पूरा करने को कहते हैं वह इस पर निर्भर होता है कि आप उन्हें क्या सिखाना चाहते हैं। समूहकार्य में भाग लेकर, वे एक–दूसरे को सुनने, अपने विचारों को समझाने और आपसी सहयोग से काम करने जैसे कौशल सीखेंगे। तथापि, उनके लिए मुख्य लक्ष्य है जो विषय आप पढ़ा रहे हैं उसके बारे में कुछ सीखना। कार्यों के कुछ उदाहरणों में निम्नलिखित शामिल हो सकते हैं:

- **प्रस्तुतिकरण:** छात्र–छात्रा समूहों में काम करके शेष कक्षा के लिए प्रस्तुतिकरणतैयार करते हैं। यह सबसे अधिक उपयोगी तब होता है जब प्रत्येक समूह के पास विषय का भिन्न पहलू होता है, जिससे वे एक ही विषय को कई बार सुनने की बजाय एक दूसरे को सुनने के लिए प्रेरित होते हैं। प्रत्येक समूह को प्रस्तुत करने के लिए दिए गए समय के विषय में काफी सख्ती बरतें और अच्छे प्रस्तुतिकरण के लिए मापदंडों का एक सेट निश्चित करें। इन्हें

पाठ से पहले बोर्ड पर लिखें। छात्र–छात्रा मापदंडों का उपयोग अपने प्रस्तुतिकरण की योजना बनाने और एक दूसरे के काम का आकलन करने के लिए कर सकते हैं। इन मापदंडों में निम्नलिखित शामिल हो सकते हैं:

- क्या प्रस्तुतिकरण स्पष्ट था?
- क्या प्रस्तुतिकरण सुसंरचित था?
- क्या मैंने प्रस्तुतिकरण से कुछ सीखा?
- क्या प्रस्तुतिकरण ने मुझे सोचने पर मजबूर किया?

- **समस्या को हल करना:** छात्र–छात्रा किसी समस्या या समस्याओं की एक शृंखला को हल करने के लिए समूहों में काम करते हैं। इसमें शामिल हो सकता है, विज्ञान का कोई प्रयोग करना, गणित की समस्याएं हल करना, अंग्रेजी कहानी या कविता का विश्लेषण करना, या इतिहास के सबूत का विश्लेषण करना।
- **कोई कलाकृति या उत्पाद बनाना:** छात्र–छात्रा समूहों में काम करके किसी कहानी, नाटक के भाग, संगीत के अंश, किसी अवधारणा को समझाने के लिए मॉडल, किसी मुद्दे पर समाचार रिपोर्ट या जानकारी को सारांशित करने या अवधारणा को समझाने के लिए पोस्टर का विकास कर सकते हैं। समूहों को किसी नए विषय के आरंभ में मंथन करने या मस्तिष्क में रूपरेखा बनाने के लिए पाँच मिनट देने से आपको इस बारे में बहुत कुछ जानकारी मिलेगी कि उन्हें क्या पहले से पता है, और आपको पाठ को उपयुक्त स्तर पर स्थापित करने में सहायता मिलेगी।
- **विभेदित कार्य:** समूहकार्य विभिन्न आयु या दक्षता स्तरों के छात्र–छात्राओं को किसी उपयुक्त काम पर मिलकर काम करने देने का अवसर है। अधिक दक्षता प्राप्त करने वाले काम को समझाने के अवसर से लाभ उठा सकते हैं, जबकि कम दक्षता प्राप्त करने वालों के लिए कक्षा की बनिस्बत समूह में प्रश्न पूछना अधिक आसान हो सकता है, और वे अपने सहपाठियों से सीखेंगे।
- **चर्चा:** छात्र–छात्रा किसी मुद्दे पर विचार करते हैं और एक निष्कर्ष पर पहुँचते हैं। इसके लिए आपको अपनी ओर से काफी तैयारी करनी होगी ताकि सुनिश्चित हो सके कि विभिन्न विकल्पों पर विचार करने के लिए छात्र–छात्राओं के पास पर्याप्त ज्ञान है, लेकिन चर्चा या विवाद का आयोजन आप और उन के लिए बहुत उपयोगी हो सकता है।

समूहों का निर्माण करना

चार से आठ के समूह आदर्श होते हैं किंतु यह आपकी कक्षा, भौतिक पर्यावरण और फर्नीचर, तथा आपकी कक्षा की दक्षता और उम्र के दायरे पर निर्भर करेगा। आदर्श रूप से समूह में हर एक के लिए एक दूसरे से मिलना, बिना चिल्लाए बात करना और समूह के परिणाम में योगदान करना आवश्यक होगा।

- तय करें कि आप छात्र–छात्राओं को समूहों में कैसे और क्यों विभाजित करेंगे; उदाहरण के लिए, आप समूहों को मित्रता, रुचि या समान अथवा मिश्रित दक्षता के अनुसार बाँट सकते हैं। भिन्न तरीकों से प्रयोग करें और समीक्षा करें कि प्रत्येक कक्षा के लिए क्या सर्वोत्तम है।
- योजना बनाएँ कि आप समूह के सदस्यों को कौन सी भूमिकाएँ देंगे (उदाहरण के लिए, नोट लेने वाला, प्रवक्ता, टाइम कीपर या उपकरणों का संग्रहकर्ता) और आप इसे कैसे स्पष्ट करेंगे।

समूहकार्य का प्रबंधन करना

आप अच्छे समूहकार्य के प्रबंधन के लिए दिनचर्याएं और नियम तय कर सकते हैं। जब आप नियमित रूप से समूहकार्य का उपयोग करते हैं, तो छात्र–छात्राओं को पता चल जाएगा कि आप क्या अपेक्षा करते हैं और वे इसे आनंददायक पाएंगे। टीमों और समूहों में काम करने के लाभों की पहचान करने के लिए आरंभ में कक्षा के साथ काम करना एक अच्छा विचार है। आपको चर्चा करनी चाहिए कि समूहकार्य में अच्छा व्यवहार क्या होता है और संभव हो तो 'नियमों' की एक सूची बनाएं जिसे प्रदर्शित किया जा सकता है; उदाहरण के लिए, 'एक दूसरे के लिए सम्मान', 'सुनना', 'एक दूसरे की सहायता करना', 'एक से अधिक विचार को आजमाना', आदि।

समूहकार्य के बारे में स्पष्ट मौखिक अनुदेश देना महत्वपूर्ण है जिसे ब्लैकबोर्ड पर संदर्भ के लिए लिखा भी जा सकता है। आपको:

- अपनी योजना के अनुसार अपने छात्र–छात्राओं को उन समूहों की ओर निर्देशित करना होगा जिनमें वे काम करेंगे। ऐसा आप शायद कक्षा में ऐसे स्थानों को निर्दिष्ट करके कर सकते हैं जहाँ वे काम करेंगे या किसी फर्नीचर या स्कूल के बैगों को हटाने के बारे में अनुदेश देकर कर सकते हैं।
- कार्य के बारे में बहुत स्पष्ट होना और उसे बोर्ड पर लघु अनुदेशों या चित्रों के रूप में लिखना चाहिए। अपने शुरू करने से पहले छात्र–छात्राओं को प्रश्न पूछने की अनुमति प्रदान करें।

पाठ के दौरान, यह देखने और जाँच करने के लिए घूमें कि समूह किस तरह से काम कर रहे हैं। यदि वे कार्य से विचलित हो रहे हैं या अटक रहे हैं तो जहाँ जरूरत हो वहाँ सलाह प्रदान करें।

आप कार्य के दौरान समूहों को बदलना चाह सकते हैं। जब आप समूहकार्य के बारे में आत्मविश्वास महसूस करने लगें तब दो तकनीकें आजमाई जा सकती हैं – वे बड़ी कक्षा को व्यवस्थित करते समय खास तौर पर उपयोगी होती हैं:

- **'विशेषज्ञ समूह':** प्रत्येक समूह को एक अलग कार्य दें, जैसे विद्युत उत्पन्न करने के एक तरीके पर शोध करना या किसी नाटक के लिए किरदार विकसित करना। एक उपयुक्त समय के बाद, समूहों को पुनर्गठित करें ताकि प्रत्येक नया समूह सभी मूल समूहों से एक 'विशेषज्ञ' से युक्त हो। फिर उन्हें एक कार्य दें जिसमें सभी विशेषज्ञों के ज्ञान को एकत्र करना होता है, जैसे निश्चय करना कि किस प्रकार का पॉवर स्टेशन बनाना या नाटक का अंश तैयार करना चाहिए।
- **'दूत':** यदि कार्य में कोई चीज बनाना या किसी समस्या को हल करना शामिल है, तो कुछ समय बाद, प्रत्येक समूह से किसी अन्य समूह में एक दूत भेजने को कहें। वे विचारों या समस्या के हलों की तुलना और फिर वापस अपने स्वयं के समूह को सूचित कर सकते हैं। इस प्रकार, समूह एक दूसरे से सीख सकते हैं।

कार्य के अंत में, जो कुछ सीखा गया है उसका सारांश बनाएं और आपको जो ग़लतियाँ नज़र आई हैं उसको सुधारें। आप चाहें तो प्रत्येक समूह का फीडबैक सुन सकते हैं, या केवल एक या दो समूहों से पूछ सकते हैं जिनके पास आपको लगता है कि कुछ अच्छे विचार हैं। छात्र–छात्राओं की रिपोर्ट करने की प्रक्रिया को संक्षिप्त रखें और उन्हें अन्य समूहों के काम पर फीडबैक देने को प्रोत्साहित करें जिसमें वे पहचान सकते हैं कि क्या अच्छा किया गया था, क्या बात दिलचस्प थी और किस बात को और विकसित किया जा सकता था।

यदि आप अपनी कक्षा में समूहकार्य को अपनाना चाहते हैं तो भी आपको कभी–कभी इसका नियोजन कठिन लग सकता है क्योंकि कुछ छात्र–छात्राः

- सक्रिय शिक्षण का प्रतिरोध करते हैं और उसमें शामिल नहीं होते
- हावी होने वाली प्रकृति के होते हैं
- अंतर्वैयक्तिक कौशलों की कमी या आत्मविश्वास के अभाव के कारण भाग नहीं लेते।

सीखने के परिणाम कहाँ तक प्राप्त हुए और आपके छात्र–छात्राओं ने कितनी अच्छी तरह से अनुक्रिया की (क्या वे सभी लाभान्वित हुए) इस पर विचार करने के अलावा, समूहकार्य के प्रबंधन में प्रभावी बनने के लिए उपरोक्त सभी बिंदुओं पर विचार करना महत्वपूर्ण होता है। सामूहिक कार्य, संसाधनों, समयों या समूहों की रचना में आप द्वारा किए जा सकने वाले समायोजनों पर सावधानी से विचार करें और उनकी योजना बनाएं।

शोध से पता चला है कि छात्र–छात्राओं की उपलब्धि पर सकारात्मक प्रभाव पाने के लिए समूहों में सीखने का हर समय उपयोग करना आवश्यक नहीं है, इसलिए आपको हर पाठ में उसका उपयोग करने के लिए बाध्य महसूस नहीं करना चाहिए। आप चाहें तो समूहकार्य का उपयोग एक पूरक तकनीक के रूप में कर सकते हैं, उदाहरण के लिए विषय परिवर्तन के बीच अंतराल या कक्षा में चर्चा को शुरु करने के साधन के रूप में कर सकते हैं। इसका उपयोग आइस–ब्रेकर या कक्षा में अनुभवात्मक शिक्षण गतिविधियाँ और समस्या का हल करने के अभ्यास शुरू करने या विषयों की समीक्षा करने के लिए भी किया जा सकता है।

संसाधन 3: वर्ण, ध्वनियाँ और शब्द खेल (Letter, sound and word games)

एक खेल चुनें और एक सहकर्मी के साथ इसका अभ्यास करें। इसके बाद अपनी कक्षा में इसे करके देखें। (Choose a game and practise it with a colleague. Then try it out with your class.)

'वर्ण और ध्वनियाँ' ('Letters and Sounds')

मौखिक गतिविधिः किसी वर्ण की ध्वनि बोलें (उदाहरण के लिए 'rrrr')। छात्र–छात्राओं को उस वर्ण से प्रारंभ होने वाले शब्द बोलने चाहिए (उदाहरण के लिए 'rain' या 'rabbit') उन्हें अंग्रेज़ी या हिन्दी में उत्तर देने दीजिए। (Oral activity: Say the sound of a letter (for example, 'rrrr) Students must say words that start with that letter (for example, 'rain' or 'rabbit) Let them give responses in English or in Hindi.)

पढ़ने और सुनने की गतिविधिः बोर्ड पर एक वर्ण लिखें, उदाहरण के लिए, वर्ण 'f'। इसके बाद किसी भिन्न वर्ण की ध्वनि बोलें, उदाहरण के लिए 'g' की ध्वनि ('gh') या कोई ऐसा शब्द को इस वर्ण से शुरू होता है, जैसे 'goat'। यदि छात्र–छात्राओं को लगता है कि आपके द्वारा बोला गया वर्ण या शब्द बोर्ड पर लिखे वर्ण से मेल खाता है, तो उन्हें अपने हाथ उठाने चाहिए। आप देख सकते हैं कि कौन–से छात्र पाठ को समझ रहे हैं। ऐसा अलग अलग वर्णों, ध्वनियों और शब्दों के साथ करके देखें। (Reading and listening activity. Write a letter on the board, for example, the letter 'f. Then say the sound of a different letter, for example the sound of 'g' ('gh') or a word that starts with the letter such as 'goat. The students must raise their hands if they think the letter or word you say matches the letter on the board. The students must raise their hands if they think the letter or word you say matches the letter on the board. Try this with different letters, sounds and words.)

'अनुमान लगाओ मुझे क्या दिख रहा है? (Guess What I See?)'

इस खेल का उपयोग किसी भी स्तर के साथ किया जा सकता है। कक्षा में दिखाई दे रही किसी वस्तु के लिए शब्द चुनें (उदाहरणः 'पेन', 'दरवाज़ा', 'कुर्सी') यह शब्द कौन–सा है, यह न बताएँ। यह ऐसा शब्द होना चाहिए, जिसे कम से कम अधिकतर कक्षा जानती हो। अब कहें, 'बोलो मुझे क्या दिख रहा है? मुझे एक ऐसी चीज दिख रही है, जो शुरू होती है ... से, और इसके बाद पहले वर्ण की ध्वनि बोलें, उदाहरण के लिए 'p', 'd' या 'ch'। छात्र–छात्राओं को शब्द का अनुमान लगाना होगा। अनुमान लगाए जाने पर प्रत्येक शब्द के उच्चारण का अभ्यास करें। (This game can be used with any level. Choose a word for something that you can see in the classroom (e.g. 'pen', 'door', 'chair') Don't say which word it is. Don't say which word it is. Don't say which word it is. I see something beginning with ... and then say the sound of the first letter, for example 'p', 'd' or 'ch'. Students must guess the words. Practise the pronunciation of each word as it is guessed.)

जब छात्र–छात्रा इस खेल से परिचित हो जाएँ, तो वे इसे समूहों में या जोड़ियों में खेल सकते हैं, या छात्र बारी–बारी से पूरी कक्षा के साथ इसे खेल सकते हैं। (When students are familiar with the game, they can play it in groups or pairs, or students can take turns to lead the class.)

'शब्द सीढ़ी' (Word Ladder)

छात्र–छात्रा इस गतिविधि के लिए अपनी पाठ्यपुस्तकें देख सकते हैं। यह खेल एक सूची में पहला शब्द लिखकर शुरू होता है, जैसे 'pen'। अगले खिलाडी या टीम को ऐसा शब्द बोलना होगा, जो पिछले शब्द की अंतिम ध्वनि से शुरू होता है; उदाहरण के लिए, 'nest'। खेल आगे बढ़ता जाता है और अगला खिलाडी या टीम फिर वह शब्द बोलते हैं,

जो पिछले शब्द की अंतिम ध्वनि 't' से शुरू होता है, और यह क्रम चलता जाता है। (Students can refer to their textbooks for this activity.) (Students can refer to their textbooks for this activity. The next player or team has to say a word that starts with the final sound of the previous word; for example, 'nest'. Further The next player or team has to say a word that starts with the final sound of the previous word; for example, 'nest'.)

'क्या यह एक समान है?' (Is it the Same?)

कक्षा को दो या ज्यादा टीमों में बाँटें। हाल ही के पाठों में से लगभग 12 शब्द चुनकर बोर्ड पर लिखें। एक शब्द की ओर संकेत करें (उदाहरण के लिए, 'page') और एक शब्द बोलें। आप जो शब्द बोलते हैं वह वही शब्द भी हो सकता है, जिसकी ओर आप संकेत कर रहे हैं या कुछ समानता वाला कोई अन्य शब्द भी हो सकता है (जैसे 'play' या 'plane')। किसी छात्र को चुनें, जो उत्तर देगा कि 'यह एक समान है' या 'यह एक समान नहीं है', जो कि इस बात पर निर्भर होगा कि आप जिस शब्द की ओर संकेत कर रहे हैं, क्या यह वही शब्द है, जो आपने बोला है। सही उत्तर देने पर टीम को एक पॉइंट मिलेगा। अब दूसरी टीम के किसी छात्र से पूछें। (Divide the class into two or more teams. Divide the class into two or more teams. Point to one word (for example, 'page') and say a word. The word you say can be the word you are pointing at or another word with some similarities (such as 'play' or 'plane) Choose a student, who must then say 'It is the same' or 'It is not the same', depending on whether the word you've pointed to is the same as the word you've said. A correct answer wins one point for the team. Now ask a student on the other team.)

इसी तरह जारी रखें। कुछ समय बाद, शब्दों के इस पहले समूह को ब्लैकबोर्ड से मिटा दें, और शब्दों का एक नया समूह लिखकर गतिविधि को दोहराएँ। आवश्यकतानुसार यह दोहराते रहें और बोर्ड पर स्कोर रहने दें। (Continue in this way. After a while, wipe the first group of words off the board, and write up another group of words and repeat. Repeat again as required, keeping the scores on the board.)

'शब्द पेंट करें' ('Paint the Word')

छोटी कक्षा के छात्र–छात्राओं के लिए, यह खेल वर्णमाला के एक वर्ण के साथ उपयोग किया जा सकता है। बड़ी कक्षा के छात्र–छात्राओं के लिए, इस गतिविधि का उपयोग शब्दों के साथ किया जा सकता है। (For young students, this game can be used with single letters of the alphabet. For more advanced students, the activity can be used with words.)

हाल ही के अध्यायों और/या वर्तमान अध्याय के किसी वर्ण या शब्द को पेंट करने का अभिनय करें, मानों आपने अपने सिर से जितना ऊपर संभव हो, एक पेंट ब्रश पकड़ा हुआ है। इस बात का ध्यान रखें कि आपका मुँह छात्र–छात्राओं की विपरीत दिशा में हो, जैसे कि आप ब्लैकबोर्ड पर लिखते हैं, अन्यथा छात्र–छात्राओं के नज़रिए से आपका लेखन उल्टा दिखेगा। पूछें कि कौन वर्ण या शब्द का अनुमान लगा सकता है। सही अनुमान लगाने वाला पहला छात्र जीत जाएगा और पुरस्कार के रूप में पूरी कक्षा द्वारा तालियाँ बजाकर उसका अभिनंदन किया जाएगा। आगे के वर्णों या शब्दों के साथ यह खेल जारी रखें और फिर छात्र–छात्राओं से कहें कि वे बारी–बारी आकर खुद वर्णों या शब्दों को पेंट करने का अभिनय करें। (Mime painting a letter or word from recent lessons and/or the current lesson, using big, bold strokes, as if holding a paint brush as high above your head as you can. Remember to face away from the students, as if you are writing on the blackboard, or your writing will be back to front from the students' point of view! Remember to face away from

the students, as if you are writing on the blackboard, or your writing will be back to front from the students' point of view! The first student to guess correctly wins a round of applause from the rest of the class. Continue with further letters or words, and then ask the students to take turns to mime painting the letters and words themselves.)

'शब्द पहचानें' (Guess the Word)

हाल के पाठों से या वर्तमान पाठ से कोई शब्द बोर्ड पर लिखना शुरू करें। पहले दो वर्ण लिख लेने पर छात्र–छात्राओं से यह अनुमान लगाने को कहें कि यह कौन–सा शब्द है। यदि किसी का जवाब सही नहीं है, तो तीसरा वर्ण जोड़ें और ऐसा तब तक जारी रखें, जब तक कोई न कोई छात्र सही जवाब न दे दे। यदि आप चाहें, तो सही अनुमान लगाने वाले पहले छात्र से कह सकते हैं कि वह बोर्ड के पास आए और लिखने का काम करे (हालांकि, इसमें आपकी सहायता की ज़रुरत हो सकती है)। (Start writing a word from recent lessons or the current lesson on the board. When you have written the first two letters, invite guesses about the word. If nobody is correct, add a third letter, and so on, until somebody guesses the word correctly. If you wish, the first student to guess the word can come to the board, and take over the role of writing (you may need to help with this, however))

'बैठ जाओ!' (Sit Down)

यह गतिविधि किसी भी वर्ण या वर्णों की जोड़ी का उपयोग करके किसी भी स्तर पर उपयोग की जा सकती है। नीचे दिया गया उदाहरण 'sh' का उपयोग करता है। (This activity can be used with any level and using any letter or pair of letters. The example below uses 'sh'.)

बोर्ड पर वर्ण 'sh' लिखें। सभी छात्र–छात्रा खड़े रहेंगे। वर्तमान या पिछले पाठों से कोई शब्द बोलें। यदि इसमें 'sh' है, तो छात्र–छात्राओं को बैठ जाना चाहिए; यदि नहीं है, तो वे खड़े ही रहेंगे। यदि आपकी कक्षा में बार–बार खड़े होना या बैठना कठिन हो सकता है, तो छात्र इसके बजाय अपने हाथ ऊपर और नीचे कर सकते हैं। किसी पाठ में शारीरिक रूप से उत्तर देना कुछ सीखने का एक मज़ेदार और यादगार तरीका हो सकता है। (Write the letters 'sh' on the board. Everybody must stand. Say a word from the current and previous lessons. If it contains 'sh', the students must sit down; if not, they remain standing. If it contains 'sh', the students must sit down; if not, they remain standing. If it contains 'sh', the students must sit down; if not, they remain standing.)

'वर्णमाला बोर्ड खेल' ('Alphabet Board Game')

यह खेल समूहों के लिए है और यह अधिक तेज़ छात्र–छात्राओं के लिए है, जो दूसरी कक्षा और उससे आगे की कक्षाओं में हों, जिन्हें वर्णों के नाम और साथ ही उनकी ध्वनियों का परिचय दिया गया हो। आपको संसाधन तैयार करने होंगे। (This is a game for groups and it is appropriate for more advanced learners, from Class II onwards, who have been introduced to the names of letters, as well as their sounds. You will need to prepare the resources.)

कार्डबोर्ड के एक बड़े टुकड़े पर, वर्णमाला के वर्णों को एक क्रम में लिखें, प्रत्येक समूह के लिए एक बोर्ड खेल तैयार करें। छात्र–छात्राओं को प्रत्येक समूह के लिए एक पांसा दें। वे पांसा फेंककर एक संख्या (number) लाते हैं और उपयुक्त वर्ण पर जाते हैं। जब वे किसी वर्ण पर पहुँचते हैं, तो उन्हें उस वर्ण का नाम, उसकी ध्वनि और साथ ही उस वर्ण से शुरू होने वाला एक शब्द भी बोलना चाहिए। (On a large piece of cardboard, write out the

letters of the alphabet in sequence, preparing one board game per group. Give the students a die per group. They roll a number and move to the appropriate letter. When they land on a letter, they must say the name of the letter, its sound, and also a word that starts with that letter.)

अतिरिक्त संसाधन

- Karadi Tales: http://www.karaditales.com/
- National Book Trust India: http://www.nbtindia.gov.in/
- NCERT textbooks: http://www.ncert.nic.in/NCERTS/textbook/textbook.htm
- Teachers of India classroom resources: http://www.teachersofindia.org/en
- Phonic stories, RV VSEI Resource Centre: http://www.rvec.in/

संदर्भ / संदर्भग्रंथ सूची

Bromley, H. (2000) *Book-based Reading Games*. London: Centre for Literacy in Primary Education.

Bryant, P. and Nunes, T (eds) (2004) *Handbook of Children's Literacy*. Dordrecht: Kluwer Academic Publishers.

Dombey, H. and Moustafa, M. (1998) *Whole to Part Phonics: How Children Learn to Read and Spell*. London: Centre for Literacy in Primary Education.

Goswami U. (2010a) 'Phonology, reading and reading difficulties', in Hall, K., Goswami, U., Harrison, C., Ellis, S. and Soler, J. (eds) *Interdisciplinary Perspectives on Learning to Read*. London: Routledge.

Goswami U. (2010b) 'A psycholinguistic grain size view of reading acquisition across languages', in Brunswick, N., McDougall, S. and Mornay-Davies, P. (eds) *The Role of Orthographies in Reading and Spelling*. Hove: Psychology Press.

Graham, J. and Kelly, A. (2012) *Reading under Control: Teaching Reading in the Primary School*, 3rd edn. London: Routledge.

Hall, K., Goswami, U., Harrison, C., Ellis, S. and Soler, J. (eds) (2010) *Interdisciplinary Perspectives on Learning to Read: Culture, Cognition and Pedagogy*. London: Routledge.

अभिस्वीकृतियाँ

यह सामग्री क्रिएटिव कॉमन्स एट्रिब्यूशन–शेयरएलाइक लाइसेंस (http://creativecommons.org/licenses/by-sa/3.0/) के अंतर्गत उपलब्ध कराई गई है, जब तक कि अन्यथा निर्धारित न किया गया हो। यह लाइसेंस TESS-

India, OU और UKAID लोगो के उपयोग को वर्जित करता है, जिनका उपयोग केवल TESS-India परियोजना के भीतर अपरिवर्तित रूप से किया जा सकता है।

कॉपीराइट के स्वामियों से संपर्क करने का हर प्रयास किया गया है। यदि किसी को अनजाने में अनदेखा कर दिया गया है, तो पहला अवसर मिलते ही प्रकाशकों को आवश्यक व्यवस्थाएं करने में हर्ष होगा।

वीडियो (वीडियो स्टिल्स सहित): भारत भर के उन शिक्षक प्रशिक्षकों, प्रधानाध्यापकों, शिक्षकों और छात्र–छात्राओं के प्रति आभार प्रकट किया जाता है जिन्होंने उत्पादनों में दि ओपन यूनिवर्सिटी के साथ काम किया है।